जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 350 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 22 अक्टूबर, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस महाराष्ट्र में 110 सीट, झारखंड में 29 सीटों पर चुनाव लड़ेगी!

कांग्रेस मुख्यालय में चुनाव समिति की बैठक, जिसमें राहुल गांधी, सोनिया गांधी व खड़गे ने भी भाग लिया, में यह निर्णय लिया गया, जिसकी विधिवत् घोषणा कल होगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। कल मुम्बई में होने जा रही महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के गठबंधन पार्टनरों की एक मीटिंग में महाराष्ट्र के सीट-शेयरिंग फॉर्मूले को अंतिम रूप दे दिया जायेगा। ऐसी संभावना है कि कांग्रेस अपने मित्र दलों- शिव सेना एवं एन.सी.पी. के साथ 110 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

इस संबंध में अधिकृत घोषणा कल शाम को मुम्बई में कर दी जायेगी तथा कांग्रेस की 50-55 उम्मीदवारों की पहली सूची 23 अक्टूबर को घोषित कर दी जायेगी।

आज शाम के समय ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी (सी.ई.सी.) की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में सी.ई.सी. के सदस्यों के साथ राहुल गांधी, सोनिया गांधी तथा मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद थे।

सी.ई.सी. ने झारखंड के लिये प्रत्याशियों के बारे में भी चर्चा की। ऐसी आशा की जा रही है कि झारखंड विधानसभा की 81 सीटों में से करीब 29 सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी। जे.एम.एम. (झारखंड मुक्ति मोर्चा) के 43 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है। झारखंड में, कांग्रेस का गठबंधन झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) तथा आर.जे.डी. के साथ है। इस समय राज्य में यह गठबंधन ही सत्ता में है।

- कांग्रेस, यू.पी. में नौ सीटों पर होने वाले बाई-इलैक्शन में भाग नहीं लेगी।
- समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को दो सीटें आवंटित करने की बात चलाई थी, पर, कांग्रेस ने यह प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया और समर्थन देने का निर्णय लिया। कांग्रेस का मानना है कि जो दो सीटें कांग्रेस को ऑफर हुई हैं, दोनों ''हारी'' हुई सीटें मानी जाती हैं।
- वैसे भी कांग्रेस के प्रति इंडिया गठबंधन के घटकों का रवैया काफी सख्त है, कांग्रेस के हरियाणा में चुनाव हारने के बाद। जैसा कि विदित ही है, हरियाणा के स्थानीय नेताओं के दबाव में कांग्रेस ने सहयोगी दलों को हरियाणा में एक भी सीट देने से इंकार कर दिया था। कांग्रेस के इस रवैये से क्षुब्ध सहयोगी दल, विशेषकर आप व सपा, कांग्रेस के प्रति उदार दृष्टिकोण रखने को तैयार नहीं हैं।

कांग्रेस संभवतः उत्तर प्रदेश में उपचुनाव नहीं लड़ेगी क्योंकि समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को उपचुनावों वाली 9 सीटों में से केवल दो सीटें दी हैं।

कांग्रेस इन दोनों सीटों को हारने वाली सीटें मान रही है तथ इन सीटों पर वह अपना समर्थन समाजवादी पार्टी को देगी। जहाँ तक कांग्रेस के मित्र दलों का संबंध है, हरियाणा में मिली हार के बाद, ये दल कांग्रेस को कुछ ज्यादा ही कमजोर असुरक्षित मानने लगे हैं।

समाजवादी पार्टी हरियाणा में कुछ सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती थी, लेकिन स्थानीय इकाई ने इसके लिये मना कर दिया था, कांग्रेस ने वहाँ अकेले ही चुनाव लड़ा था तथा समाजवादी पार्टी तथा आम आदमी पार्टी में से किसी को कोई सीट नहीं दी थी।

प्रियंका गांधी 23 अक्टूबर को वायनाड सीट से लोकसभा उपचुनाव के लिये नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। यह सीट राहुल गांधी ने खाली की है। प्रियंका गांधी के नामांकन पत्र भरते समय, राहुल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. भर्ती-2021 पेपर लीक केस, एक और आरोपी को जमानत

जयपुर, 21 अक्टूबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सब इंस्पैक्टर परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में एक और आरोपी को जमानत दे दी। न्यायाधीश गणेश राम मीणा की अदालत ने ये आदेश संजय कुमार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये।

इस मामले में याचिकाकर्ता व अन्य 18 आरोपियों ने मामले पर जमानत याचिका दायर की थी। परंतु अदालत ने इन सभी मामलों पर सुनवाई 23 अक्टूबर को तय की है। इन मामलों में याचिकाकर्ताओं की ओर से गलत तरीके से गिरफ्तार किये जाने व पेपर लीक से जुड़े प्रकरण में भागीदार न होने जैसे कई तर्क अदालत के समक्ष प्रस्तुत किये हैं, जिन पर अदालत संयुक्त रुप से 23 तारीख को सुनवाई करेगी। गत सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक बाजवा, अधिवक्ता एस.एस.हूरा और उनके सहायक अधिवक्ता वेदांत शर्मा

- राजस्थान हाई कोर्ट ने यह आदेश आरोपी संजय कुमार की याचिका पर दिए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उन्हें गलत तरीके से आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका 23 अक्टूबर को वायनाड सीट के लिए नामांकन भरेंगी

प्रियंका के साथ खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। वायनाड लोकसभा सीट का उपचुनाव जितना प्रतिष्ठित है, यह इसी से पता चलता है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जब वायनाड उपचुनाव के लिए नामांकन भरने जाएगी तब उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी होंगे।

प्रियंका पहली बार चुनाव लड़ने जा रही हैं और 23 अक्टूबर को 12 बजे व कलपेट्टा में रिटर्निंग अफसर के सामने नामाकंन भरेंगी। सूत्रों ने कहा सोनिया, राहुल और खड़गे के अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री देश व प्रदेश के प्रमुख पार्टी नेता भी उपस्थित रहेंगे। नामांकन से पहले राहुल और प्रियंका एक रोड़ शो करेंगे। रोड़ शो 11 बजे कलपेट्टा बस स्टैंड से शुरू होगा। वायनाड लोकसभा उपचुनाव इसलिए कराना पड़ा क्योंकि इस सीट से चुनाव जीते राहुल गांधी ने इस्तीफा दे दिया था क्योंकि वे दो सीटों से चुनाव लड़े थे और विजयी रहे थे। उल्लेखनीय है, जून में कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की थी कि राहुल रायबरेली सीट रखेंगे और वायनाड सीट खाली करेंगे। राहुल वायनाड और रायबरेली दोनों जगह से जीते थे। कांग्रेसी नेताओं को यकीन है कि प्रियंका वायनाड से अवश्य ही जीतेंगी। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार वायनाड सीट के लिए 13 नवम्बर को मतदान होगा यहां नामांकन दर्ज करने की अंतिम तारीख 25 अक्टूबर है। नामांकन की जांच 28 अक्टूबर को होगी नामाकंन वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है।

मतगणना महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा चुनाव की मतगणना के साथ 23 नवम्बर को ही होगी।

- सूत्रों ने बताया कि नामांकन से पूर्व प्रियंका व राहुल गांधी एक रोड शो करेंगे। इस समूची कवायद में कांग्रेस के प्रमुख राष्ट्रीय व प्रदेश नेताओं के साथ कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे।
- यह सीट राहुल गांधी के इस्तीफा देने से रिक्त हुई है। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी रायबरेली और वायनाड दोनों सीटों से जीते थे, फिर उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी थी और प्रियंका को वहाँ से चुनाव लड़ाने का एलान कर दिया था।

पन्नू की हत्या की साजिश, अमेरिका के आरोपों पर सहयोग की मुद्रा में आई भारत सरकार

पर केन्द्र सरकार आशंकित है, अमेरिका इस साजिश के कथित आरोपी, विकास यादव के प्रत्यार्पण की मांग ना कर ले

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। भारत ने अमेरिका के डिपार्टमेन्ट ऑफ जस्टिस के इस आरोप, कि सी.आर.पी.एफ. अधिकारी विकास यादव, जिसे आर.ए.डल्यू. (रॉ) एजेन्ट बताया गया है, खालिस्तानी ऐक्टिविस्ट गुरपतवन्त सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में लिप्त है, पर सहयोगात्मक रुख अपनाया है, लेकिन नई दिल्ली इस प्रश्न को लेकर चिन्तित है कि अगर अमेरिका यादव के प्रत्यर्पण की माँग करता है तो क्या होगा?

उधर कैनडा सरकार ने भी यह आरोप लगाया है कि भारत सरकार कैनडा की धरती पर खालिस्तान-समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में लिप्त है, इस प्रकरण में भारत सरकार ने टकराव की मुद्रा अपनाई और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के आरोप को निराधार तथा ''वोट बैंक राजनीति'' से जुड़ा बताया है। लेकिन अमेरिका वाले प्रकरण में, नई दिल्ली ने सहयोग का रास्ता अपनाते हुए, अमेरिका को सूचित

- अगर, ऐसा हुआ तो भारत सरकार बदले में मुम्बई टैरर अटैक के आरोपी डेविड कोलमैन हैडली उर्फ दाऊद सैय्यद गिलानी के प्रत्यार्पण की मांग कर सकती है, जो अमेरिका की जेल में बंद है, उसकी अमेरिका सरकार से डील है कि उसे भारत को नहीं सौंपा जाएगा।
- अमेरिकन न्याय विभाग का आरोप है कि सी.आर.पी.एफ. का अफसर विकास यादव, जो कथित तौर पर रॉ एजेंट है, ने खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रची थी।
- ध्यान देने वाली बात यह है कि, कैनडा सरकार ने जब हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत सरकार पर आरोप लगाया तो भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दी, पर, अमेरिका के आरोपों के संबंध में भारत का रुख बेहद विनम्र है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पदोन्नति नहीं देने पर प्रसारण निगम से जवाब मांगा

जयपुर, 21 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मीटर रीडर को एस्टीमेटर के पद पर पदोन्नित नहीं देने से जुड़े मामले में विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश प्रहलाद सिंह की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता योगेश कुमार टेलर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता बिजली कंपनी में श्रमिक के रूप में मीटर रीडर के पद पर नियुक्त हुआ था। याचिकाकर्ता को विभाग की ओर से मार्च, 1992 में एस्टीमेटर के पद पर पदोन्नति नहीं दी गई, जबकि उससे जूनियर कर्मचारी को पदोन्नत कर दिया गया। इस पर याचिकाकर्ता ने विभाग को

- आरोप है कि पात्र होने के बावजूद मीटर रीडर को एस्टीमेटर पद पर पदोन्नति नहीं दी, जबकि उससे जूनियर को प्रमोशन दे दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो के साथ अनुबंध में करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ था'

सोमवार को बोर्ड बैठक में कृषि-खाद्य विभाग और भंडारण निगम ने दोनों कंपनियों द्वारा निविदा शर्तों के उल्लंघन तथा करोड़ों रुपए का घोटाला करने के आरोप को सही माना

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 21 अक्टूबर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पिछले कार्यकाल में वर्ष 2020 में राज्य भंडारण निगम के 71 गोदामों के संचालन व रखरखाव का ठेका जिन कंपनियों, श्री शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो कोमोडिटीज़ को दिया गया था, उनके द्वारा निविदा की शर्तों के उल्लंघनों का रिव्यू किया गया। बैठक के बाद भंडारण निगम ने ए.सी.बी. महानिदेशक को पत्र लिखकर कहा कि, इस मामले में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के शिकायती पत्र के अनुसार तुरंत जांच हो। साथ ही ए.सी.बी. अपना अनुसंधान अधिकारी भी बदले, ऐसा अधिकारी लगाया जाए, जो पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से प्रभावित नहीं हो। भंडारण निगम का कहना है कि ए.सी.बी. द्वारा नियुक्त जांच अधिकारी पिछले 2 माह से प्राथमिकी दर्ज किए बैठे हैं, एफ.आई.आर. आज तक दर्ज नहीं की गई। जांच अधिकारी वर्ष 2020 में दोनों कंपनियों के साथ किए गए अनुबंध की जांच के बजाय ''वेयर हाऊसिंग मैनेजमेंट सिस्टम'' के विश्लेषण पर अटके हुए है।

सोमवार को कृषि विभाग, राज्य भंडारण निगम व खाद्य विभाग के उच्चाधिकारियों ने इस संबंध में बोर्ड बैठक बुलाई थी, जिसमें इन दोनों कंपनियों द्वारा लगातार पिछले 4 सालों से निविदा की शर्तें, जैसे करोड़ों रु. की कृषि उपज का बीमा नहीं कराने, बैंक गारंटी नहीं चुकाने, सरकारी कर्मचारियों का इस्तेमाल करने, कृषि उपज के रखरखाव में लापरवाही, कीटनाशक नहीं छिड़कने और गोदामों को भराव क्षमता के 70 प्रतिशत से कम उपयोग में लेकर सरकार को करोड़ों रु. के नुकसान पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बोर्ड बैठक में भंडारण निगम और कृषि विभाग ने इन तमाम खामियों को सही माना और अब इस प्रकरण की ए.सी.बी. से विस्तृत जांच करवाने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी तरीका अपनाने का

- पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में वर्ष 2020 में इन कंपनियों को राज्य भंडारण निगम के 71 गोदामों के संचालन व रखरखाव का ठेका दिया गया था।
- बैठक के बाद भंडारण निगम ने ए.सी.बी. महानिदेशक को पत्र लिखकर इस मामले में जांच अधिकारी बदलने की मांग की और कहा, ऐसा अधिकारी लगाया जाए, जो पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से प्रभावित नहीं हो।
- भंडारण निगम का कहना है कि, ए.सी.बी. द्वारा नियुक्त जांच अधिकारी पिछले 2 माह से प्राथमिकी दर्ज किए बैठे हैं, एफ.आई.आर. आज तक दर्ज नहीं की गई। जांच अधिकारी वर्ष 2020 में दोनों कंपनियों के साथ किए गए अनुबंध की जांच के बजाय ''वेयर हाऊसिंग मैनेजमेंट सिस्टम'' के विश्लेषण पर अटके हुए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आतंकी पन्नू ने एयर इंडिया में विस्फोट की धमकी दी

अमृतसर, 21 अक्टूबर। अमेरिका में रह रहे सिख फॉर जस्टिस (एस.एफ.जे.) के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एअर इंडिया में बम विस्फोट की धमकी दी है। आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी कर 1984 के सिख दंगों का बदला लेने की बात कही। उसने लोगों को एअर इंडिया में सफर न करने की सलाह दी।

इससे पहले, 4 नवंबर 2023 को भी पन्नू ने वीडियो जारी कर एअर एंडिया के विमानों को बम से उड़ाने की धमकी दी थी और एक मिनट का वीडियो जारी

- पन्नू ने एक वीडियो को जारी कर लोगों को 1 से 19 नवम्बर तक एयर इंडिया में यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। उसने गत वर्ष भी ऐसा वीडियो जारी कर धमकी दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वे काफी वृद्ध हैं, और, काफी असमर्थ लग रहे हैं'

कमला हैरिस, वो ही तर्क काम में ले रही हैं, ट्रम्प के खिलाफ, जो ट्रम्प व उनके समर्थकों ने राष्ट्रपति बाइडन के लिये काम लिये, जब राष्ट्रपति बाइडन की राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की संभावना थी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में मात्र दो महीने रह गए है और दोनों प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार चरम पर है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प, जो फिर से चुनाव मैदान में हैं, और अपने चुनाव प्रचार में ऐसी भाषा का प्रयोग कर रहे है, जो पागलपन की हद तक जाती लग रही है। दूसरी ओर, डैमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष कमला हैरिस कहीं भी पीछे हटने या मात खाने का संकेत नहीं दे रही हैं। वे करारा जवाब दे रही हैं और अपने चुनाव प्रचार को बेहद हाईपिच पर ले जाने की कोशिश में है, जहां टिके रह पाना आसान नहीं है।

कमला वे ही तर्क दे रही हैं जो रिपब्लिकन्स जो बाइडन के खिलाफ प्रयुक्त करते थे कि वे बहुत बूढे हैं, मानसिक रुप से सक्षम नहीं है। ट्रम्प भी गड़बड़ कर रहे हैं, और बुढ़ापे के संकेत दे रहे हैं, इससे ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

हताशा में ट्रम्प असभ्य व उग्र भाषा का प्रयोग कर रहे है। ट्रम्प ने कमला हैरिस, जो अभी उप राष्ट्रपति हैं, के लिए कहा कि वे अब तक की सबसे खराब उप राष्ट्रपति हैं। आपको हटाया जाता है, जाओ यहां से। वे भूल गए हैं कि वे अब राष्ट्रपति नहीं हैं और किसी को भी हटाने की हैसियत में नहीं हैं।

अपने कुछ भाषणों में तो ट्रम्प ने उन लोगों के लिए अश्लील भाषा का प्रयोग किया, जो उनके लिए शर्मिंदगी के हालात पैदा कर रहे हैं। इसमें रिपब्लिकन पार्टी के कार्यकर्ता व बड़े नेता भी शामिल है।

लेकिन जमीनी स्थिति क्या है। स्नैप ऑप्शन पोल दिखा रहे हैं कि दोनों लगभग बराबरी पर हैं। कमला हैरिस को अपने जनाधार में भी समर्थन मिला है। युवा एवं शिक्षित मतदाता उन्हें पसंद कर रहे हैं।

डॉनल्ड ट्रम्प को अपने कट्टर श्वेत समर्थकों का सहारा है, जिनका यकीन इस बात में है कि श्वेत सर्वश्रेष्ठ होते हैं। पर उनकी अटपटी भाषण शैली से शिक्षित युवा मतदाता उनसे दूर हो रहा है। यही नहीं, रिपब्लिकन जनाधार में भी उन्होंने कई लोगों को नाराज कर दिया है। रिपब्लिकन पार्टी के कई बड़े नेता कमला हैरिस के समर्थन में आगे आ रहे हैं, सिर्फ इसलिए, क्योंकि वे ट्रम्प को सत्ता से दूर रखना चाहते हैं।

राजनीतिक अभिजात वर्ग का एक बड़ा वर्ग मानता है कि दूसरी बार डॉनल्ड ट्रम्प को लाने के बारे में सोचना खतरनाक है। इनको भय यह है कि ट्रम्प देश के डैमोक्रैटिक स्ट्रक्चर (लोकतांत्रिक ढांचे) को नष्ट कर देंगे तथा कुछ तानाशाही प्रवृत्तियाँ शुरु कर देंगे।

रोचक बात यह है कि ट्रम्प डैमोक्रेटिक पार्टी के कुछ परंपरागत अश्वेत समर्थन आधार को आकर्षित करने में सफल हुए हैं। अश्वेत समुदाय के कई मतदाता ट्रम्प के समर्थन में चले गए हैं, जो अभी तक डैमोक्रैटिक पार्टी का समर्थन करते थे। यह कैसे हो रहा है, यह एक तरह की पहेली है, लेकिन, लगता है कि ट्रम्प यह बात समझाने में सफल हो गए हैं कि हैरिस वास्तव में एक अश्वेत उम्मीदवार नहीं हैं और उनको जो संस्कार मिले हैं, उनका समाज के इन हिस्सों से संबंध नहीं है।

दोनों उम्मीदवार दो मुद्दों पर एक दूसरे से ज्यादा अलग नहीं हैं, लेकिन अपनी अलग-अलग धारणाएं प्रोजैक्ट करने की कोशिश कर

- ट्रम्प काफी गलतियाँ कर रहे हैं, स्टेज पर, और कमला हैरिस की, ट्रम्प के वृद्ध होने व असमर्थ दिखने की टिप्पणी सच सी लगने लगी है।
- एक अजीबो-गरीब बात यह भी है, इस राष्ट्रपति चुनाव के बारे में कि काफी अश्वेत, जो डैमोक्रेटिक पार्टी के प्रबलतम समर्थक माने जाते रहे हैं, ट्रम्प के पक्ष में कुछ सक्रिय होते नज़र आ रहे है।
- कारण है, ट्रम्प का यह कहना है कि हैरिस किसी भी तरह ''अश्वेत'' नहीं हैं। वे अपने लालन-पालन व विचारों से श्वेत हैं तथा उनका ''अश्वेत'' जनता का प्रतिनिधित्व करने का दावा मिथ्या व फरेब है। ट्रम्प की यह आलोचना मतदाताओं पर कुछ असर डाल रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आर.जे.एस. भर्ती-सुप्रीम कोर्ट ने अंग्रेजी, विधि-प्रथम व द्वितीय के अंकों की तालिका मांगी

जयपुर, 21 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने आर.जे.एस. भर्ती-2024 की मुख्य परीक्षा से जुड़े मामले में राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन को कहा है कि जिन अभ्यर्थियों के अंग्रेजी विषय में अधिकतम 15 अंक तक आए हैं, उनके विधि प्रथम व द्वितीय प्रश्न पत्र में आए

- हाई कोर्ट ने 7 बक्सों में उन अभ्यर्थियों की अंग्रेजी उत्तर पुस्तिकाएं पेश कीं, जिन्हें 15 तक अंक मिले थे।
- सुप्रीम कोर्ट ने विधि प्रथम व द्वितीय के अंकों की जानकारी गुरुवार तक प्रस्तुत करने को कहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK